Sonam Bala
Assistant Professor (Guest Faculty)
Dept. of Geography
A. N. D. College, Shahpur Patory, Samastipur

29th Jan 2022
Saturday

For B.A. – II (Subs)
Paper – II, Geography of India

Lecture – 20

Scanned with CamScanner

UNIT-1

HIMALAYAN DRAINAGE SYSTEM

हिमालयी अपवाह तंत्र की नदियाँ

(जल विभाजक ...... बन गया/क्रमश..... L-6) इसी प्रकार मध्य प्लीस्टोसीन काल में राजमहल पहाड़ियों और मेघालय पठार के मध्य स्थित माल्दा गैप का अधोक्षेपण (Subduction) हुआ, जिसमें गंगा और ब्रह्मपुत्र नदी तंत्रों का दिक्परिवर्तन हुआ और वे बंगाल की खाड़ी की ओर प्रवाहित हुई।

हिमालयी अपवाह में अनेक नदी तंत्र हैं, मगर तीन नदी तंत्र प्रमुख हैं —

1. सिंधु नदी तंत्र
2. गंगा नदी तंत्र
3. ब्रह्मपुत्र नदी तंत्र

① सिंधु नदी तंत्र

यह विश्व के सबसे बड़े नदी द्रोणियों में से एक है, जिसका क्षेत्रफल 11 लाख 65 हजार Km^2 है। भारत में इसका क्षेत्रफल 3,21,289 Km^2 है। इसकी कुल लंबाई 2,880 Km है और भारत में इसकी लंबाई 1114 Km है। भारत में यह हिमालय की नदियों में सबसे पश्चिमी है।

उद्‌गम :— इसका उद्‌गम तिब्बती क्षेत्र में कैलाश पर्वत श्रेणी में बोखर चु के निकट एक हिमनद (31°15' & 80°40'E) से होता है, जो 4,164 m की ऊँचाई पर स्थित है।

तिब्बत में इसे सिंगी खबान अथवा शेरमुख कहते हैं। लद्दाख व जास्कर श्रेणियों के बीच से उ०-प० दिशा में बहती

Scanned with CamScanner

हुई यह लद्दाख और बालतिस्तान से गुजरती है। लद्दाख श्रेणी को काटते हुए यह जम्मू और कश्मीर में गिलगित के समीप एक दर्शनीय महाखड्ड का निर्माण करती है। यह पाकिस्तान में चिल्लस के निकट दरदिस्तान प्रदेश में प्रवेश करती है। सिंधु नदी की बहुत-सी सहायक नदियाँ हिमालय पर्वत से निकलती हैं, जैसे — श्योक, गिलगित, जास्कर, हुंजा, नुबरा, शिगार, गास्टिंग व द्रास। अंत में यह नदी अटक के निकट पहाड़ियों से बाहर निकलती है, जहाँ दाहिने तट पर काबुल नदी इसमें मिलती है। इसके दाहिने तट पर मिलने वाली अन्य मुख्य सहायक नदियाँ खुर्रम, तोची, गोमल, विबोआ और संगर हैं। ये सभी नदियाँ सुलेमान श्रेणियों से निकली हैं। यह नदी दक्षिण की ओर बहती हुई मीथनकोट के निकट पंचनद का जल प्राप्त करती है। पंचनद पंजाब की पाँच मुख्य नदियाँ हैं — ① सतलज ② व्यास ③ रावी ④ चिनाब ⑤ झेलम। अंत में सिंधु नदी कराची के पूर्व में अरब सागर में जा गिरती है। भारत में ~~...~~ सिंधु जम्मू और कश्मीर राज्य में बहती है।

झेलम नदी → यह सिंधु की महत्वपूर्ण सहायक नदी है।

उद्गम :– कश्मीर घाटी के द०-पू० भाग में पीरपंजाल गिरिपद में स्थित वेरीनाग झरने से निकलती है।

पाकिस्तान में प्रवेश करने से पहले यह नदी श्रीनगर और वुलर झील से बहते हुए एक तंग व गहरे महाखड्ड से गुजरती है, पाकिस्तान में झंग के निकट यह चिनाब नदी से मिलती है।

चिनाब नदी → यह सिंधु की सबसे बड़ी सहायक नदी है।

यह चंद्रा और भागा दो सरिताओं के मिलने से बनती है। ये सरिताएँ हिमाचल प्रदेश में केलाँग के निकट तांडी में आपस में मिलती हैं। इसलिए इसे चंद्रभागा के नाम से भी जाना जाता है। पाकिस्तान में प्रवेश करने से पहले यह नदी 1180 Km बहती है।

रावी नदी → सिंधु की महत्वपूर्ण सहायक नदी है।

Scanned with CamScanner

उद्गम :- यह हिमाचल प्रदेश की कुल्लू पहाड़ियों में रोहतांग दर्रे के पश्चिम से निकलती है, और राज्य की चंबा घाटी से बहती है। ③

पाकिस्तान में प्रवेश करने व सराय सिंधु के निकट चिनाव नदी में मिलने से पहले यह नदी पीरपंजाल के द०-पू० भाग व धौलाधर के बीच प्रदेश से प्रवाहित होती है।

व्यास नदी → सिंधु की अन्य महत्वपूर्ण सहायक नदी है।

उद्गम :- समुद्र तल से 4,000 m की ऊँचाई पर रोहतांग दर्रे के निकट व्यास कुंड से निकलती है। यह नदी कुल्लू घाटी से गुजरती है और धौलाधर श्रेणी में काती और लारगी में महाखड्ड का निर्माण करती है। यह पंजाब के मैदान में प्रवेश करती है जहाँ हरिके के पास सतलुज नदी में जा मिलती है।

सतलज नदी →

उद्गम :- यह तिब्बत में 4,555 m की ऊँचाई पर मानसरोवर के निकट राक्षस ताल से निकलती है। वहाँ इसे लॉगचेन खंबाव के नाम से जाना जाता है। भारत में प्रवेश करने से पहले यह लगभग 400 km तक सिंधु नदी के समांतर बहती है और रोपड़ में एक महाखड्ड से निकलती है। यह हिमालय पर्वत श्रेणी में शिपकीला से बहती हुई पंजाब के मैदान में प्रवेश करती है। यह एक पूर्ववर्ती नदी है। यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण सहायक नदी है क्योंकि यह भाखड़ा नांगल परियोजना के नहर तंत्र का पोषण करती है।

② गंगा नदी तंत्र

गंगा भारत की सबसे महत्वपूर्ण नदी है।

उद्गम :- उत्तराखंड राज्य के उत्तरकाशी जिले में गोमुख के निकट गंगोत्री हिमनद से 3,900 m की ऊँचाई से निकलती है।

Scanned with CamScanner

वहाँ यह भागीरथी के नाम से जानी जाती है। यह मध्य व लघु हिमालय श्रेणियों को काट कर तंग महाखड्ड से होकर गुजरती है। देवप्रयाग में भागीरथी, अलकनंदा से मिलती है और इसके बाद गंगा कहलाती है। अलकनंदा नदी का स्रोत बद्रीनाथ के ऊपर सतोपथ हिमनद है। ये अलकनंदा, धौलीगंगा और विष्णुगंगा धाराओं से मिलकर बनती है, जो जोशीमठ या विष्णुप्रयाग में मिलती है। अलकनंदा की अन्य सहायक नदी पिंडार है, जो इससे कर्णप्रयाग में मिलती है जबकि मंदाकिनी या कालीगंगा इससे रुद्रप्रयाग में मिलती है।

पंचप्रयाग → ① विष्णुप्रयाग ② कर्णप्रयाग ③ रुद्रप्रयाग ④ देवप्रयाग ⑤ नंदप्रयाग

गंगा की उत्पत्ति

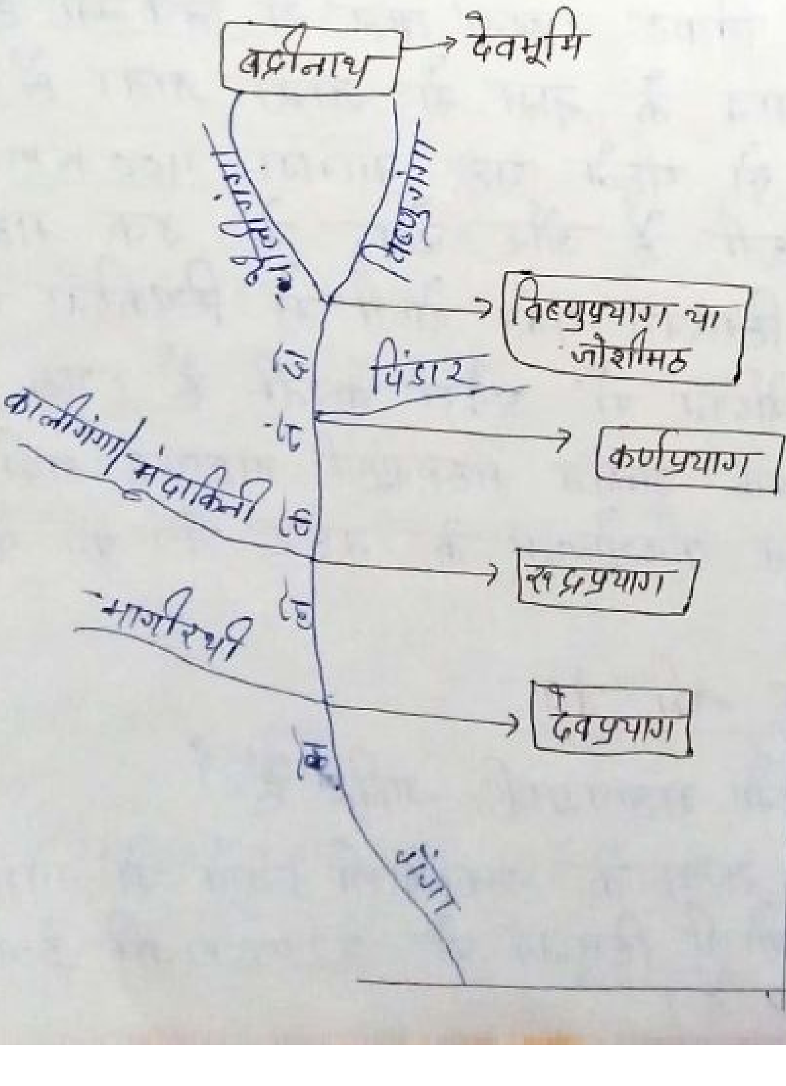

सिंधु नदी तंत्र